

गौरवशाली अतीत, विकासशील वर्तमान और समृद्ध भविष्य की ओर बढ़ता मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत, समृद्ध परंपराओं, विकास यात्रा और सामूहिक संकल्पों का उत्सव है। 1 नवंबर 1956 को अस्तित्व में आए हमारे मध्यप्रदेश ने सात दशकों में अनेक उपलब्धियां अर्जित की हैं। प्राकृतिक संपदा, नदियों, वनों, ऐतिहासिक धरोहरों, धार्मिक स्थलों, जनजातीय संस्कृति और मेहनतकश नागरिकों से समृद्ध यह प्रदेश आज देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

भगवान श्रीमहाकाल की नगरी उज्जैन, मां नर्मदा की पावन धारा, सांची का विश्व-विख्यात स्तूप, खजुराहो की अद्भुत स्थापत्य कला, भीमबेटका की ऐतिहासिक विरासत और जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपराएं हमारी पहचान हैं। मध्यप्रदेश की यही विविधता हमारी शक्ति है। आज हमारा लक्ष्य इस विरासत को संरक्षित रखते हुए विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करना है।

वर्ष 2026 को हम किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रहे हैं। इसी भावना के साथ इस वर्ष मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की मूल भावना ‘समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश’ है। हमारा विश्वास है कि किसान खुशहाल होगा तो गांव समृद्ध होंगे और गांव समृद्ध होंगे तो मध्यप्रदेश आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ेगा। मध्यप्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है। हमारे किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। किसानों की आय में वृद्धि, कृषि को लाभकारी बनाना और खेती को आधुनिक तकनीक से जोड़ना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए किसान कल्याण को लेकर राज्य सरकार अनेक योजनाएं संचालित कर रही है।

हम सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, कृषि अधोसंरचना के विकास, प्राकृतिक खेती, उन्नत बीज, आधुनिक कृषि यंत्रों, खाद्य प्रसंस्करण और कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। खेती के साथ उद्यानिकी, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन और पशुपालन जैसी गतिविधियों को जोड़कर किसानों के लिए आय के अतिरिक्त अवसर विकसित किये जा रहे हैं। हमारा संकल्प है कि किसान केवल

अन्नदाता ही नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और समृद्ध भी बने। किसान की समृद्धि ही मध्यप्रदेश की समृद्धि का वास्तविक आधार है।

युवा किसी भी प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। मध्यप्रदेश के युवाओं में प्रतिभा, परिश्रम, ऊर्जा और नवाचार की अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण, तकनीकी शिक्षा और रोजगारोन्मुखी कौशल से जोड़ना आवश्यक है। खेलों के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। आधुनिक खेल मैदान, प्रशिक्षण सुविधाएं और खेल अधोसंरचना युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करेंगी।हम चाहते हैं कि मध्यप्रदेश का युवा नौकरी पाने वाला ही नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला उद्यमी और समाज का नेतृत्व करने वाला व्यक्तित्व भी बने।

महिलाओं की भागीदारी के बिना विकास की कल्पना अधूरी है। हमारी सरकार महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।स्व-सहायता समूहों, स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण और महिला उद्यमिता के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। महिलाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।हमारा मानना है कि जब महिला आत्मनिर्भर बनती है तो पूरा परिवार सशक्त होता है। इसलिए महिलाओं को केवल योजनाओं का लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास की भागीदार और नेतृत्वकर्ता बनाना हमारा संकल्प है।

आज दुनिया तेजी से तकनीक और नवाचार के माध्यम से आगे बढ़ रही है। मध्यप्रदेश के युवाओं के विचारों को उद्यम में बदलने के लिए स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है।हमारा प्रयास है कि युवाओं को मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, निवेश के अवसर और अनुकूल व्यावसायिक वातावरण मिले। कृषि तकनीक, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में स्टार्टअप के लिए अपार संभावनाएं हैं।मध्यप्रदेश को नवाचार और उद्यमिता का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश के युवा अपने नए विचारों से न केवल स्वयं आगे बढ़ें, बल्कि दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करें।

शिक्षा किसी भी समाज के परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है। सांदीपनि विद्यालयों की परिकल्पना प्रदेश के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।इस विद्यालयों के माध्यम से आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं, योग्य शिक्षकों, बेहतर अधोसंरचना और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।हम चाहते हैं कि गांव और शहर के बच्चों को समान रूप से उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त हो। शिक्षा के साथ संस्कार, खेल, विज्ञान, तकनीक और रचनात्मक गतिविधियों का समाधान करना है।जनता का विश्वास ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी है। हमारा संकल्प है कि प्रशासन अधिक जवाबदेह, संवेदनशील और जनकेंद्रित बने।

विकास के लिए शांति और सुरक्षा का वातावरण अनिवार्य है। हमारी सरकार कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने और अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर प्रतिबद्ध है।पुलिस व्यवस्था का आधुनिकीकरण, तकनीक का उपयोग, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और नागरिकों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकताएं हैं। महिलाओं, बच्चों और समाज के कमजोर वर्गों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।हमारा उद्देश्य ऐसा मध्यप्रदेश बनाना है, जहां प्रत्येक नागरिक भयमुक्त वातावरण में जीवन व्यतीत कर सके और निवेशकों तथा उद्यमियों को भी सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो।

सुशासन का वास्तविक अर्थ है नागरिकों को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान इसी भावना को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।हमारी कोशिश है कि सरकारी प्रक्रियाओं को सरल बनाया जाए, अनावश्यक प्रशासनिक जटिलताओं को कम किया जाए और नागरिकों को अधिक सुविधा मिले। सरकार का उद्देश्य नागरिकों को परेशान करना नहीं, बल्कि उनकी समस्याओं का समाधान करना है।जनता का विश्वास ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी है। हमारा संकल्प है कि प्रशासन अधिक जवाबदेह, संवेदनशील और जनकेंद्रित बने।

पशुपालन मध्यप्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। यह किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। पशुओं के स्वास्थ्य, उपचार, टीकाकरण, नस्ल सुधार, दुग्ध उत्पादन और गोवंश संरक्षण को प्रोत्साहित करना हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। पशुपालकों को आधुनिक तकनीक और बेहतर सुविधाओं से जोड़कर उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं।हमारा विश्वास है कि पशु कल्याण और पशुपालन को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्रदान की जा सकती है।

स्वास्थ्य किसी भी समाज की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। हमारी सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों।सरकारी अस्पतालों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार, मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता, चिकित्सा शिक्षा और ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण, रोगों की रोकथाम और स्वास्थ्य जागरूकता भी हमारी प्राथमिकताओं में हैं। हम ऐसा स्वास्थ्य तंत्र विकसित करना चाहते हैं, जहां किसी भी नागरिक को बेहतर उपचार के लिए अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस हमें अपनी उपलब्धियों पर गर्व करने के साथ भविष्य के प्रति नई जिम्मेदारियों का बोध भी कराता है। हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक संपदा और गौरवशाली परंपराओं को संरक्षित रखते हुए आधुनिक, आत्मनिर्भर और विकसित प्रदेश की निर्माण करना है।

आइए, मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर हम सब मिलकर एक ऐसे प्रदेश के निर्माण का संकल्प लें, जहां विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, हर वर्ग को आगे बढ़ने का अवसर मिले और हमारी आने वाली पीढ़ियां एक समृद्ध, सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश पर गर्व कर सकें।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

(लेखक-मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री)

950 एमएसएमई इकाइयों को 490 करोड़ की सहायता

नप्र, भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार, 1 नवंबर को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित उद्यम सम्मेलन में सिंगल क्लिक के माध्यम से 950 एमएसएमई इकाइयों को 490 करोड़ रुपये और 100 से अधिक स्टार्टअप को लगभग 1.50 करोड़ रुपये की सहायता राशि वितरित करेंगे। इस दौरान उद्यमियों को भूमि आवंटन के आशय पत्र और मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के हितग्राहियों को ऋण राशि भी प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप करेंगे। प्रोत्साहन प्राप्त करने वाली इकाइयों द्वारा 7,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर 17,000 से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रदेश के विभिन्न जिलों की 950 से अधिक एमएसएमई इकाइयों को अनुदान राशि वितरित की जाएगी।

तरुण भारत राष्ट्र निर्माण का विचार जेन जी अराजकता का पर्याय :तोमर

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, लेकिन इसका उपयोग मर्यादित आचरण और राष्ट्रहित में होना चाहिए। तरुण भारत देश के विकास को समर्पित विचार है, जबकि जेन जी अराजकता का पर्याय बनता जा रहा है। यह बात मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने मंदसौर में आयोजित 32वें भारतीय युवा संसद में कही।

‘स्व बोध : आत्म जागृति से राष्ट्र निर्माण’ विषय पर आयोजित युवा संसद में तोमर ने कहा कि युवाओं को देश के निर्माण में जुटना चाहिए। इसके लिए अपने अतीत, राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक जड़ों से जुड़ना आवश्यक है। इससे स्वयं का विकास होगा और आत्मिक



तकनीक का उपयोग राष्ट्रहित में करें

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा के साथ तकनीक का उपयोग भी जरूरी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सामाजिक माध्यमों का उपयोग स्वयं तथा देश के हित में किया जाना चाहिए। साथ ही तकनीक के उपयोग में सावधानी भी आवश्यक है। कार्यक्रम में सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक दिलीप सिंह पहिराह, हरदीप सिंह डंग, चंदर सिंह सिसौदिया, पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। मंदसौर पहुंचने पर तोमर ने सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। रतनाम में उन्होंने कैबिनेट मंत्री चेतन्य कश्यप की माता के निधन पर श्रद्धांजलि भी दी।

ताकत बढ़ेगी। तोमर ने कहा कि लोकतंत्र के लिए आवश्यक

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

सबसे कठिन कार्य है।

बलराम कृषि महोत्सव में किसानों से किया संवाद

मंडला में कृषि एवं सहायक गतिविधियों की अपार संभावनाएं : मुख्यमंत्री

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बलराम कृषि महोत्सव के अवसर पर मंडला जिले के किसानों से वचुंअल संवाद कर उनकी सफलता की कहानियां सुनीं। उन्होंने किसानों को खेती-किसानी के साथ कृषि आधारित अन्य गतिविधियां अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मां नर्मदा के आशीर्वाद से मंडला की धरती समृद्ध है। यहां की प्राकृतिक संपदा और उपजाऊ भूमि कृषि विकास की अपार संभावनाएं प्रदान करती हैं। किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उनकी मेहनत और समर्पण से प्रदेश कृषि क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है।



उन्होंने कहा कि सरकार कोदो-कुटकी जैसे पारंपरिक श्रीअन्न के उत्पादन और खरीदो को प्रोत्साहित कर रही है। वीरांगना रानी दुर्गावती श्रीअन्न योजना के अंतर्गत मंडला के 424 किसानों को लगभग 51 लाख रुपये की

राशि प्रदान की गई है। जिले में सिंचाई का रकबा बढ़कर लगभग 85 से 90 हजार हेक्टेयर तक पहुंच गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडला में मत्स्य पालन, पशुपालन, मशरूम, मखाना और औषधीय खेती को भी व्यापक संभावनाएं

हैं। जिले के 65 जलाशयों में मत्स्य पालन हो रहा है। इससे लगभग चार हजार किसानों को लाभ मिल रहा है।

उन्होंने स्वामित्व योजना के तहत जिले के लगभग 66 हजार लोगों को नि:शुल्क रजिस्ट्री का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का कार्य भी शीघ्र पूरा करने की बात कही। संवाद के दौरान किसानों ने प्राकृतिक खेती, पशुपालन, मृगी पालन और मल्टीलेयर फार्मिंग से आय बढ़ाने के अनुभव साझा किए। मंत्री संपतिया उड़के और सांसद फगन सिंह कुलस्ते ने भी किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियां अपनाने के लिए प्रेरित किया।

बंगाल की खाड़ी में आज नए चक्रवाती तूफान बनने के संकेत,वर्षा के आसार

► बने रहेंगे बादल, रीवा, शहडोल, जबलपुर, सागर, ग्वालियर चंबल संभाग के जिलों में पड़ सकती हैं बौछारें

ये मौसम प्रणालियां हैं सक्रिय

अर्णव तूफान के कमजोर पड़ने के बाद उसका अवशेष वर्तमान में कम दबाव के क्षेत्र के रूप में दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश पर बना हुआ है। दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी एवं उससे लगे अंडमान सागर के आसपास एक अवदाब का क्षेत्र बना हुआ है। इसके पश्चिम, उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए रविवार तक दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी तथा उससे लगे दक्षिण-पश्चिमी एवं पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में पहुंचकर वक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। सोमवार शाम को आंध्र प्रदेश के तट

पर टकराने के आसार हैं। पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी हरियाणा और उसके आसपास हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में बना हुआ है। एक नया पश्चिमी विक्षोभ पंजाब पर द्रोणिका के रूप में सक्रिय हो गया है। मौसम विशेषज्ञ अजय शुक्ला ने बताया कि वातावरण में काफी नमी मौजूद रहने के कारण बादल अभी बने रह सकते हैं। साथ ही प्रदेश के पूर्वी एवं उत्तरी क्षेत्रों में वर्षा होने की संभावना है। लगातार दूसरा चक्रवाती तूफान बनने के कारण मध्य प्रदेश में तीन-चार दिन तक मौसम का मिजाज इसी तरह बना रह सकता है।

मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान शनिवार सुबह तक रीवा, सागर संभाग के जिलों में अनेक स्थानों पर, ग्वालियर,

चंबल,शहडोल संभाग के जिलों में कुछ स्थानों पर एवं भोपाल, नर्मदापुरम, जबलपुर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं वर्षा दर्ज की गई।

जनजातीय कार्य विभाग
Ministry of Tribal Affairs
Government of India

JANAJATIYA GAURAV DIWAS

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा – हमारी प्रेरणा

भारत के जनजातीय समुदायों की अस्मिता, सामर्थ्य और गौरवशाली विरासत का उत्सव।

“भगवान बिरसा मुंडा ने हमें अपने परिवेश के साथ सामंजस्य बनाकर देहला और अपनी संस्कृति पर गर्व करना सिखाया। उनसे प्रेरणा लेकर हम उनके सपनों को साकार करने और अपने जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं।”

— माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

जनजातीय गौरव दिवस पखवाड़ा

1 से 15 नवंबर 2026

प्रमुख कार्यक्रम एवं गतिविधियां

♦ **माननीय राष्ट्रपति जी का विद्यार्थियों से संवाद** ♦

12 नवंबर को राष्ट्रपति भवन में माननीय राष्ट्रपति जी एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के 200 विद्यार्थियों के साथ संवाद करेंगी।

♦ **स्वास्थ्य-पोषण सेवा संगम** ♦

पीएन-जनजन के अंतर्गत संचालित बहुउद्देशीय केंद्रों पर विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के परिवारों के लिए स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी विशेष शिविरों का आयोजन।

♦ **आदि कर्मयोगी स्वयंसेवक** ♦

1.5 लाख से अधिक सामुदायिक स्वयंसेवकों का क्षमता निर्माण। लगभग 77,000 गांवों में जनजातीय समुदायों की सेवा और विकास कार्यों में उनकी सक्रिय भागीदारी।

♦ **छात्रवृत्ति सुविधा शिविर** ♦

73 जिलों में जनजातीय विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराने के लिए आधार पंजीकरण एवं आधार लिंकिंग की सुविधा।

♦ **देशव्यापी जनजातीय गौरव दिवस आयोजन** ♦

देशभर में 230 से अधिक कार्यक्रमों का आयोजन। इन कार्यक्रमों में एक लाख से अधिक प्रतिभागियों की सहभागिता प्रस्तावित।

♦ **जनजातीय वैद्य कार्यक्रम** ♦

पारंपरिक जनजातीय चिकित्सा पद्धतियों के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में 500 जनजातीय वैद्यों के प्रथम वैद्य का प्रशिक्षण। यह कार्यक्रम 1 एवं 2 नवंबर को हैदराबाद में आयोजित होगा।

♦ **राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव** ♦

12 एवं 13 नवंबर 2026 को इंडिया हेरिटेज सेंटर, नई दिल्ली में जनजातीय साहित्य एवं सांस्कृतिक विरासत का उत्सव।

♦ **आदि वाणी पर संगोष्ठी** ♦

4 नवंबर को भारत के जनजातीय भाषाओं के एआई आधारित मंच ‘आदि वाणी’ पर विशेष संगोष्ठी का आयोजन।

♦ **15 नवंबर 2026 – जनजातीय गौरव दिवस** ♦

जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित संसद भवन परिसर तथा झारखंड के उलहातू में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी।

आइए, जनजातीय गौरव, संस्कृति, परंपरा और विरासत के इस राष्ट्रीय उत्सव में सहभागी बने। अपने क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रमों से जुड़ें और धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धासुमन अर्पित करें।